मूल्य/धर्मार्थ : 1 पैसा
(केवल बहाईयों में वितरण हेतु)

बहाई समाचारपत्र

वर्ष : 53 अंक 9 प्रकाशन : प्रत्येक माह की 8 तारीख
सितम्बर 2017 बहाई वर्ष : 174

विश्व न्याय मन्दिर

प्रिय मित्रों, युवा अनुयायियों की प्रत्येक पीढ़ी के समक्ष मानवजाति के भविष्य के लिए योगदान करने का अवसर आता है, जो उनके जीवन काल के संदर्भ में अद्वितीय होता है। वर्तमान पीढ़ी के लिए वह समय आ गया है जब वे विचार करें, संकल्प लें, स्वयं को उस सेवा में समर्पित कर दें जिससे प्रचुरता में आशीष प्रवाहित होंगे।

–8 फरवरी 2013

गुवाहाटी में परिवार सम्मेलन का आयोजन

असम के कोई 58 गाँवों और पड़ोसी क्षेत्रों के बहाईयों को पाँच वर्षीय योजना के उद्देश्य की जानकारी देने तथा अब तक प्राप्त उपलब्धियों की समीक्षा करने के उद्देश्य से गुवाहाटी के शिल्पाग्राम प्रेक्षागृह में 21 से 23 जुलाई तक एक परिवार सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें बच्चे, वयस्क और युवाओं ने अपने–अपने परिवारों के साथ हिस्सा लिया। लक्ष्य यह रखा गया कि चुने हुये 19 समुदायसमूह विकास के अगले चरण में प्रवेश के लिये प्रोत्साहित हों और समुदाय–निर्माण के कार्य में परिवारों का सहयोग प्राप्त हो। सम्मेलन के दौरान प्रतिभागियों के दिलों को संगीत के माध्यम से बहाउल्लाह से जोड़ने के प्रयास भी किये गये।

सम्मेलन में विभिन्न भाषा–भाषी लोगों तथा अलग–अलग सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के परिवारों की प्रतिभागिता से माहौल खुशनुमा हो गया; विभिन्नता में एकता और विविधता के बीच से एक लक्ष्य की ओर बढ़ने की बेजोड़ मिसाल इस सम्मेलन में देखने को मिली। प्रतिभागियों में बोडो, असमिया, आदिवासी, नेपाली, बंगाली, बिहारी और ओड़िशा की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से आये परिवार शामिल हुये।

सेवा के प्रति युवाओं का लगाव और समुदाय–निर्माण के लिये परिवारों की प्रतिबद्धता उनकी ग्रहणशीलता में देखी गई। विभिन्न विषयों पर लगभग सभी परिवारों की प्रतिभागिता पूरे सम्मेलन को परिपक्वता की ऊँचाई पर ले गई।

बहाउल्लाह के जन्म की 200वीं वर्षगाँठ को मनाने की जब बात चली तब विभिन्न परिवारों ने रोचक और उत्साहजनक सुझाव दिये और अपनी तैयारियों के बारे में बतलाया। एक महिला सहयोगी ने अपने अनुभव सुनाते हुये कहा, "जब मैंने प्रतिभागियों से पूछा कि कृष्ण का जन्मोत्सव कैसे मनाया जाता है, तब अनेक लोगों ने जवाब दिया कि वे उपवास धारण करते हैं, मिठाई बांटते हैं, एक–दूसरे को कृष्ण जन्माष्टमी की बधाई देते हैं, घरों को सजाते हैं, नये वस्त्र पहनते हैं और ईश्वर का स्मरण करते हैं। तब मैंने उनसे पूछा कि क्या वे बहाउल्लाह का जन्मोत्सव भी ऐसे ही मना सकते हैं ? एक स्वर में जवाब मिला, –'हाँ, ज़रूर, हम मनायेंगे बहाउल्लाह का जन्मोत्सव पूरी तैयारी के साथ।"

पूरे सम्मेलन के दौरान आनन्द और उल्लास का माहौल बना रहा।

शेष पृष्ठ 4 पर



गुवाहाटी में आयोजित परिवार सम्मेलन के दौरान प्रतिभागी समूहों में अध्ययन करते हुए

इस अंक में

ग्वालियर में हुकूकुल्लाह की प्रगाढ़ता पर बैठक

मध्य प्रदेश में ग्वालियर की स्थानीय सभा ने 23 जुलाई को ईश्वर के अधिकार से सम्बन्धित बैठक का आयोजन किया। भारतीय उप–महाद्वीप के न्यासी मंडल के सदस्य अनीस सैफुद्दीन मुख्य वक्ता थे, जिन्होंने विस्तार से हुकूकुल्लाह के सम्बन्ध में चर्चा की। डा. फिरायदीन जवाहरी ने बैठक के लिये बहाई लेखों से चुने अंशों की पाठ्य–सामग्री तैयार की जिसे कोई 45 प्रतिभागियों ने मनोयोगपूर्वक पढ़ा और लेखांशों की अपनी–अपनी समझ साझा की। जिन्होंने अपने अनुभव सुनाये। डा. रोज़ा ओल्यिाई के सक्रिय सहयोग ने आयोजन के व्यवस्था–पक्ष को चुस्त–दुरूस्त रखा। उन्होंने चर्चा में सक्रिय प्रतिभागिता दर्ज़ की। उन्होंने कहा कि ईश्वर के अधिकार का भुगतान अपनी अर्जित सम्पत्ति का एक हिस्सा मात्र दे देना नहीं है, अपितु 'किताब–ए–अक़दस' में दिये गये विधान के अनुसार यह भुगतान किया जाना चाहिये।

इस विशेष बैठक की सफलता लोगों के प्रसन्नचित्त चेहरों से आंकी जा सकती थी। इस सम्बन्ध में



ग्वालियर में हुकूकुल्लाह विषय पर आयोजित कार्यक्रम के प्रतिभागी

ज्ञातव्य है कि हुकूकुल्लाह का विधान सन् 1992 से विश्व भर में लागू कर दिया गया है। परम पावन पुस्तक 'किताब–ए–अक़दस' में इसका प्रावधान किया गया है। बैठक के लिये तैयार की गई सामग्री में हुकूकुल्लाह के लगभग सभी आधारभूत तत्व शामिल किये गये थे। मसलन, यह ईश्वर की अनुकम्पा, प्रचुरता और समस्त अच्छाइयों को प्राप्त करने का साधन बनता है। लोगों ने पाठ्य सामग्रियों के क्रमिक अध्ययन और उन पर विचार–विमर्श के दौरान एक–दूसरे की समझ से ज्ञान प्राप्त किया। प्रमुख वक्ता ने विभिन्न प्रतीकों और अलंकारों के माध्यम से अपनी प्रस्तुति को रोचक बनाया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा के सदस्य डा. नेसान ओल्यिाई भी उपस्थित थे, अब्दुल–बहा के निम्नांकित कथन पर लम्बी चर्चा चली,

"हे मेरे मित्रगण, यह निश्चित और प्रमाणित है कि अतुलनीय ईश्वर की प्रशंसा उसकी असीम सम्पदा के लिये की गई है, उसकी अपरिमेय दया के लिये की गई है, उसकी पहचान उसकी अनन्त अनुकम्पा से की गई है और अस्तित्व के संसार के लिये उसके उपहारों से उसे जाना गया है। फिर भी, उसके अबोधगम्य विवेक के अनुसार और मित्र को अजनबियों से अलग करने की अनूठी परीक्षा लेने के लिये, ईश्वर ने हुकूक का विधान अपने सेवकों को दिया है और इसे अनिवार्य बनाया है।"

बैठक की व्यवस्था सुनील ओल्यिाई ने समीर, रवि, राकेश और भार्गव के सहयोग से की।

मणिपुर में आयोजित युवा सम्मेलनों की झलक

कुम्बी : मणिपुर में कुम्बी क्लस्टर में 6 अगस्त, 2017 को युवा सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 34 मित्रों ने भाग लिया। इनमें स्थानीय सभा के सदस्य, सहायक मण्डल सदस्य, सम्मेलन को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कुम्बी क्लस्टर के अनुयायियों और सहायक मण्डल सदस्यों ने अपना सहयोग दिया।

इम्फाल : इम्फाल क्लस्टर में 20 अगस्त 2017 को युवा सम्मेलन



कुम्बी क्लस्टर में आयोजित युवा सम्मेलन के प्रतिभागी

परिषद प्रतिनिधि और स्वयंसेवक भी शामिल थे। कुम्बी, टेराखोंग, इथई और वेंगो सबल स्थानों के 25 नये युवा थे, जिनमें से दो पहले ही संस्थान प्रक्रिया में शामिल हो चुके हैं। प्रार्थनाओं के बाद उपस्थित मित्रों को बहाउल्लाह का आरोग्यदायी संदेश दिया गया और उन्हें बताया गया कि यह वर्ष बहाईयों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि हम बहाई धर्म के का आयोजन किया गया, जिसमें 16 से 20 वर्ष की आयुवर्ग के 21 युवा उपस्थित हुए। सुबह के सत्र में उन्होंने युवा सम्मेलन सामग्री से 'युवा काल'' विषय का अध्ययन किया। उपस्थित प्रतिभागियों के तीन समूह बनाये गये और उन्होंने रूही पुस्तक–1 का अध्ययन शुरू किया। युवाओं की जिज्ञासा, कौतूहल और उत्साह देखते ही बनता है जब वे ऐसे मुद्दों पर विचार



इम्फाल क्लस्टर में आयोजित युवा सम्मेलन के प्रतिभागी

ईश्वरीयावतार बहाउल्लाह के जन्मोत्सव का द्वि–शताब्दी उत्सव मना रहे हैं। मित्रों को तीन समूहों में विभाजित कर युवा सम्मेलन सामग्री का अध्ययन किया गया। कुछ प्रतिभागियों ने अपने अनुभव भी एक–दूसरे से साझा किए। करते हैं जो उनके पर्यावरण को प्रभावित करते हैं। सम्मेलन के दौरान खेले गये सहकारी खेलों ने मित्रों के बीच में मैत्री और एकता की भावना को और अधिक बढ़ा दिया।

भुबनेश्वर में रूही पुस्तक–1 पर सेमिनार

भुबनेश्वर में रूही पुस्तक–1 के अध्ययन हेतु 28 जुलाई से 1 अगस्त 2017 तक एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में 9 क्लस्टरों के 33 समुदायों से 50 मित्रों ने अपनी प्रतिभागिता दर्ज की। स्टडी सर्कल का प्रभावी रूप से आयोजन करने के लिए ट्यूटर्स की भूमिका से संबंधित दस्तावेज ''प्रशिक्षण संस्थान'' का अध्ययन किया गया। सेमिनार के मुख्य उद्देश्य थे :– कैसे ट्यूटर के रूप में हम अपनी प्रतिभागियों ने रूही पुस्तक–1 का अध्ययन फिर से किया तथा अपने छोटे समूहों में इसकी अवधारणा पर परामर्श किया। सेमिनार के दौरान 9 समुदायों में गृहभ्रमण ने उन्हें एक नया अनुभव प्रदान किया और अनेक चुनौतियों के बारे में चर्चा की। गृहभ्रमण के दौरान उन्होंने बहाउल्लाह के दृष्टिकोण, लक्ष्य और जीवन के बारे में बताया और मित्रों को उनके समुदाय में परिवर्तन लाने के लिए स्टडी सर्कल में शामिल होने के



भुबनेश्वर में आयोजित सेमिनार के दौरान छोटे समूहों में अध्ययन करते हुए प्रतिभागीगण

क्षमता को बढ़ायें ? कैसे बहाउल्लाह के प्रकटीकरण से हृदयों को जोड़ें? कैसे रूही पुस्तक–1 की अवधारणा को गहराई से समझें? कैसे समुदाय निर्माण की प्रक्रिया शुरू करने के तरीके आरम्भ करें ? कैसे बहाउल्लाह के दिव्य संदेश को जन–सामान्य तक पहुंचायें ? हमारे जीवन में ''सेवा के पथ पर चलना'' का उद्देश्य क्या है ? आदि। लिए आमंत्रित किया। इन भ्रमणों के परिणामस्वरूप तीन क्लस्टरों– बंकी, बालीपटना और भुबनेश्वर में रूही पुस्तक–1 के 9 नये स्टडी सर्कल शुरू हुए। प्रतिभागियों ने सेमिनार की अंतिम तिथि को अपने समुदायों में 60 रूही पुस्तक–1 के आयोजन करने की योजना बनाई।

आवश्यक सूचना

भारतीय उप–महाद्वीप के लिए हुकूकुल्लाह के क्षेत्रीय न्यासी मण्डल के सदस्य के रूप में श्री प्रेम सिंह को नियुक्त किया गया है।

वर्तमान में क्षेत्रीय न्यासी मण्डल के सदस्यों के नाम इस प्रकार से हैं: सुश्री निरोसिनी सालेह (श्रीलंका के लिए) श्री नंद खेमानी, श्रीमती नेदा नूरेयाज़दान, श्री निदावनूर बास्करन, श्री अनीस सैफुद्दीन, श्री प्रेम सिंह और श्रीमती डीजेना सुनावाला।



महाराष्ट्र के श्री सागर अवारी और सुश्री पूजा का विवाह स्थानीय आध्यात्मिक सभा धमनगांव अवारी के तत्वावधान में 18 जून 2017 को बहाई विधिविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ।

बहाई विवाह

बहाई विवाह

प्रिय मित्रों, पिछले अंक में हमने गुजरात में गत चार महीनों के दौरान हुए बारह बहाई विवाह में से छह का प्रकाशन किया था। अगले छह इस अंक में प्रकाशित किए जा रहे है।



आहवा क्लस्टर की श्रीमती गंगूबेन और श्री गणपतभाई आहीरे की सुपुत्री सुश्री ज्योति आहीरे का विवाह श्रीमती मधुबेन और श्री किशोरभाई पारेख के सुपुत्र श्री चक्रवीर पारेख के साथ 23 मई 2017 को बहाई विधिविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ।



आहवा क्लस्टर की श्रीमती कलगीबेन और श्री लक्षुभाई गांगोडा के सुपुत्र श्री भावेश गांगोडा का विवाह श्रीमती गहानुबेन और श्री गोविंदभाई गावित की सुपुत्री सुश्री संगीता गावित के साथ 25 मई 2017 को बहाई विधिविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ।



गलकुंड क्लस्टर की श्रीमती दंतुबेन और श्री राजूभाई भोया की सुपुत्री सुश्री वर्षा भोया का विवाह श्रीमती सोनीबेन और श्री रमणभाई के सुपुत्र श्री हितेश गावित के साथ 28 मई 2017 को बहाई विधिविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ।



आहवा क्लस्टर की श्रीमती गंगूबेन और श्री गणपतभाई आहीरे की सुपुत्री सुश्री ज्योत्सना आहीरे का विवाह श्रीमती नीरूबेन और श्री रूशीभाई पटेल के सुपुत्र श्री अल्पेश पटेल के साथ 23 मई 2017 को बहाई विधिविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ।



नानापाडा क्लस्टर की श्रीमती providedताराबेन और श्री मनसुभाई बिरारी की सुपुत्री सुश्री तेजल बिरारी का विवाह श्रीमती तुलसीबेन और श्री अनिलभाई पवार के सुपुत्र श्री दीपक पवार के साथ 28 मई 2017 को बहाई विधिविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ।



आहवा क्लस्टर की श्रीमती गंगीबेन और श्री गणेशभाई गावित के सुपुत्र श्री जितेश गावित का विवाह श्रीमती गुंतीबेन और श्री सुरेशभाई की सुपुत्री सुश्री सोनल चौधरी के साथ 10 जून 2017 को बहाई विधिविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ।

Regd. No. DELHIN / 1966 / 04204 | Delhi Postal Regd No. DL (ND) 11/6036/2015-16-17
New Delhi P.S.O. | Licensed to post without pre-payment No. U (C)-52/2015-16-17

गुवाहाटी में परिवार सम्मेलन का आयोजन

पृष्ठ 1 का शेष

सम्मेलन में आधे से अधिक परिवार वैसे थे जिन्होंने बहाउल्लाह को अभी तक नहीं स्वीकारा था। यह सम्मेलन की सबसे बड़ी उपलब्धि रही कि इस दौरान 94 लोगों ने प्रभुधर्म में अपनी आस्था व्यक्त की और बहाई प्रकटीकरण से अपने हृदयों को जोड़ा। बहाई शिक्षाओं में हृदय–परिवर्तन की जो शक्ति है उसका जीवंत प्रमाण तब देखने को मिला जब कुछ परिवारों की कम पढ़ी–लिखी महिलाओं ने बहाई शिक्षाओं की जानकारी पाने के बाद उन आदर्शों को अमल में लाना भी शुरू कर दिया।

सम्मेलन का माहौल और भी खुशनुमा हो गया जब "मैत्री मंडली" नामक नवगठित बहाई गायकों के ग्रुप द्वारा गीत–संगीत का कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। सलाहकार राजन सावंत से प्रोत्साहन पाकर बिहार, ओड़िशा और असम के बारह बहाई मित्रों ने "मैत्री मंडली" नाम से एक ग्रुप बनाया है, जो नगर–गाँव में घूम–घूम कर बहाउल्लाह का संदेश सुना रहा है। बहाउल्लाह की जन्म–जयंती के मद्देनज़र गायकों की यह टोली प्रशंसनीय काम कर रही है और लोगों के दिलों को इस युग के अवतार से जोड़ने में बहुत हद तक सफल भी रही है। इन लोगों ने बहाउल्लाह के जीवन और उनकी शिक्षाओं पर आधारित गीत लिखे हैं और उन्हें गाँव–गाँव में प्रस्तुत कर रहे हैं। जहाँ कहीं भी इनकी प्रस्तुति होती है, हज़ार–दो हज़ार लोगों की भीड़ स्वतः जमा हो जाती है, वे आनन्दित होते हैं और फिर 'महान विभूति' की शिक्षाओं से प्रभावित हो जिज्ञासु बन जाते हैं। इनके गीतों में नये युग के आने, सुन्दर भविष्य की ओर बढ़ने, इस युग के अवतार के जीवन की कथा तथा इस युग के मानव के लिये ईश्वर के संदेश की चर्चा होती है, जिससे श्रोता प्रभावित होते हैं।



गुवाहाटी में आयोजित परिवार सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रतिभागी

जयपुर स्थानीय आध्यात्मिक सभा की स्वास्थ्य एवं चिकित्सा मंत्री से शिष्टाचार भेंट

स्थानीय आध्यात्मिक सभा, जयपुर ने राजस्थान सरकार के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा मंत्री कालीचरण सर्राफ के निवास स्थान पर एक शिष्टाचार भेंट की। श्री कालीचरण सर्राफ ने स्थानीय आध्यात्मिक सभा का स्वागत किया। सभा के सदस्य श्री बनवारी चंदवाड़ा ने बताया कि 'बहाउल्लाह' जो की बहाई धर्म के संस्थापक व इस युग के ईश्वरीय अवतार हैं उनका 200 वाँ जन्मोत्सव राजस्थान के बहाईयों द्वारा इसी वर्ष अक्टूबर माह में बड़े धूमधाम से मनाया जाएगा। इस दौरान श्री सर्राफ ने इस उपलक्ष्य पर अपनी ओर से एक बधाई संदेश देने की बात भी कही। भेंट के दौरान उनको नई दिल्ली स्थित बहाई उपासना मंदिर का प्रतीक चिह्न भी भेंट किया गया। इस अवसर पर सहायक मंडल सदस्य राजेश मीणा, परिषद के कोषाध्यक्ष अरशद हुसैन, स्थानीय आध्यात्मिक सभा के सदस्य मुकेश आनन्द, अर्पणा अनंत, नीमा डोमा, बनवारी चंदवाड़ा एवं जयपुर समुदाय के स्थानीय मित्र भावना मीणा व हेमराज बैरवा उपस्थित थे।



जयपुर के बहाई मित्रगण राजस्थान के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा मंत्री को बहाई उपासना मंदिर का प्रतीक चिह्न भेंट करते हुए

मुम्बई में आयोजित कुछ कार्यक्रम



मुंबई बहाई भवन में स्थानीय आध्यात्मिक सभा के तत्वावधान में एक सर्वधर्म सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें सभी धर्मों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इसमें बहाई मित्रों सहित लगभग 70 मित्रों ने अपनी प्रतिभागिता दर्ज की।



मुंबई बहाई समुदाय द्वारा एस. के. पाटिल उद्यान में वृक्षारोपण परियोजना का आयोजन किया, जो बहाउल्लाह के 200वें जन्मोत्सव पर एक पहल थी। इस अवसर पर एमएलए श्री राज पुरोहित और स्थानीय पार्षद सुश्री रीता मखवानी उपस्थित थीं। उन्होंने उपस्थित मित्रों और स्कूल के बच्चों को प्रोत्साहित किया, जो इस परियोजना के लिए एकत्रित हुए थे।

कुल पृष्ठ संख्या–4

बहाई समाचारपत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित फार्म – 4, नियम 8

समाचार का नाम : बहाई समाचारपत्र
रजि नं. : DELHIN / 1966 / 4204 यू नं. (C)-52/2015-16-17
डी.एल. DL (ND) 11/6036/2015-16-17
प्रकाशक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
(बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1)
प्रकाशन स्थान : बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1

मुद्रक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1
मुद्रण स्थान : डोरा ऑफसेट, सी–54, ओखला इंडस्ट्रीयल इस्टेट, फेज़–1, नई दिल्ली–20
उन व्यक्तियों के नाम जो समाचारपत्र स्वामी हों : राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को इसका स्वामित्व प्राप्त है, जो सोसायटीज़ एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है।

Licenced to post without Pre-Payment Posted at CPSO New Delhi on 10/11.09. 2017
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg. New Delhi - 110 001 - INDIA

स्वामी, भारत के बहाईयों की राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा, जो सोसायटीज एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है, के लिए प्रकाशक, मुद्रक : सुशील कुमार के द्वारा डोरा ऑफसेट, सी–54, ओखला इंडस्ट्रीयल इस्टेट, फेज़–1, नई दिल्ली–110 020 से मुद्रित एवं बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–110 001 से प्रकाशित (सम्पादक : सुशील कमार)